अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

के अवसर पर दिनांक 22 मई, 2023 को

''अनुबन्ध से क्रियान्वयन तकः जैव विविधता पुनर्वास व पुनर्स्थापना एवं मिशन लाईफ'

(From Agreement to Action: Build Back Biodiversity and Mission LIFE) विषयवस्तु पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा

महादेवा इको पर्यटन स्थल (भगहर झील), बाराबंकी

में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 22 मई, 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर महादेवा इको पर्यटन स्थल (भगहर झील) बाराबंकी में मुख्य अतिथि माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डॉक्टर अरूण कुमार सक्सेना जी ने 'अनुबन्ध से क्रियान्वयन तकः जैव विविधता पुनर्वास व पुनर्स्थापना एवं मिशन लाईफ' (From Agreement to Action: Build Back Biodiversity and Mission LIFE) विषयवस्तु पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ किया।

डा0 अरूण कुमार सक्सेना, माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार)

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डॉक्टर अरूण कुमार सक्सेना जी ने इस अवसर पर कहा कि यह धरती केवल मनुष्यों के रहने के लिए ही नहीं अपितु छोटे–छोटे कीड़े मकोड़ों से लेकर समस्त जीव जन्तु के रहने के लिए भी बनी है। भोजन श्रृखंला का उदाहरण देते हुए माननीय मंत्री जी ने कहा कि बाघों का अस्तित्व न रहने पर मनुष्य व अन्य जीव जन्तुओं का जीवित रहना भी सम्भव नहीं है। इसी प्रकार वृक्षों से प्राप्त प्राणदायिनी ऑक्सीजन हमारे जीवन का आधार है। उन्होनें कहा कि परागण हेतु भौरों व तितलियों जैसे कीटों का बने रहना आवश्यक है क्योंकि परागण के अभाव में अन्न व फलों का उत्पादन सम्भव नहीं है। माननीय मंत्री जी ने कहा कि मनुष्य को अपनी गतिविधियों पर नियन्त्रण रखना आवश्यक है तथा प्रकृति का जितना दोहन करे उतनी ही मात्रा में वृक्षारोपण आदि गतिविधियों के माध्यम से पृथ्वी को वापस करने को जीवनशैली का अंग बनाए। डा0 सक्सेना ने कहा कि मनरेगा के अन्तर्गत स्थानीय समुदाय द्वारा झील की सफाई, जलकुम्भी

हटाने व सौन्दर्यीकरण से ईको पर्यटन की गतिविधि में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप रोजगार के अवसर सृजित होंगे। माननीय मंत्री जी ने अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वाहन किया कि हरी–भरी धरती के लिए अधिक से अधिक वृक्ष रोपित व रोपित वृक्षों की सुरक्षा व सिंचन करें।

मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन/अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री मनोज सिंह ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का दिन जीव जन्तुओं, कीटाणुओं, पौधों व जीव जन्तुओं के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता व परिवर्तनशीलता है। जैव विविधता आनुवांशिक, प्रजाति और पारिस्थितिकी तन्त्र की विविधता दर्शाती है तथा धरती के चार करोड़ वर्षों के विकास क्रम में वैज्ञानिकों द्वारा अब तक लगभग 16 लाख प्रजातियों की पहचान की जा सकी है तथा विश्वास है कि अधिकांश प्रजातियों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है, अतः वैज्ञानिक रूप से प्रजातियों का पता लगाना, पहचान करना व वर्गीकरण किया जाना है। 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (आई.यू.सी.एन.) की पादप एवं जन्तु प्रजातियॉ की लाल सूची (रेड डाटा बुक) के अनुसार कम से कम 97 स्तनधारी (मैमल्स), 94 पक्षी एवं 482 पादप प्रजातियों पर विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन मात्र सरकारी प्रयासों से ही सम्भव नही है अपितु यह प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। श्री सिंह ने कहा कि जैव विविधता क्षरण के तीन प्रत्यक्ष प्राथमिक कारण भू उपयोग परिवर्तन (30 प्रतिशत), अति विदोहन (20 प्रतिशत), एवं जलवायु परिवर्तन व प्रदूषण (14 प्रतिशत) है। श्री मनोज सिंह ने कहा कि मिशन लाईफ के अन्तर्गत चिन्हित गतिविधियों ऊर्जा बचत, जल संचय, एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग में कमी व अपशिष्ट प्लास्टिक को पुनर्चक्रण हेतु प्लास्टिक बैंक में जमा करवाना, सतत् खाद्य प्रणाली को अपनाना, अपशिष्ट

में कमी, स्वस्थ जीवनशैली अंगीकृत करना एवं ई अपशिष्ट की मात्रा कम कर प्रत्येक व्यक्ति जैव विविधता संरक्षण में योगदान दे सकता है।

ममता संजीव दूबे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश श्रीमती ममता संजीव दूबे ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों व समस्त प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि हम सब जैव विविधता का अंग हैं तथा हमारे छोटे छोटे प्रयासों यथा तितली, मधुमक्खियों को सुरक्षा व अनुकूल परिस्थितियॉ सृजित कर एवं झील सफाई, हरियाली की रक्षा व खेत में वृक्ष रोपित कर जैव विविधता संरक्षित करने में योगदान देने के साथ ही आय व आजीविका के संसाधन सृजित कर आर्थिक स्थिति उन्नत कर सकते हैं। श्रीमती दूबे ने कहा कि आयोजन स्थल नदी, खेत, पेड़ पौधे व जैव विविधता की दृष्टि से समृद्ध होने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित करने हेतु चयनित किया गया। उन्होंने कहा कि धरती पर सिर्फ हमारा ही अधिकार नही है अपितु इसके विभिन्न भागों में विद्यमान करोड़ों प्रजातियों का भी इस पर उतना ही अधिकार है।

बी0 प्रभाकर, सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री बी0 प्रभाकर ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जैव विविधता संरक्षण हेतु समय–समय पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मेलन व संधियों, प्रख्यापित अधिनियमों व नियमों का उल्लेख करते हुए प्रदेश की वन जैव विविधता व पशु जैव विविधता का विस्तृत परिचय दिया। श्री प्रभाकर ने स्थापना के उपरान्त उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा जैव विविधता संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों व कार्यों से भी अवगत कराया।

मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा तैयार की गई पुस्तक ''एग्रीमेण्ट टू एक्शनः बिल्ड बैक बायोडाईवर्सिटी एवं मिशन लाईफ'' का विमोचन

मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा वित्त पोषित पॉच सोलर लाईट का लोकार्पण

दिनांक 22 मई, 2023 को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि महादेवा इको पर्यटन स्थल (भगहर झील) का उद्घाटन, भगहर झील की सफाई कार्य करते हुए

दिनांक 22 मई, 2023 को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि प्रदर्शनी का शुभारम्भ व अवलोकन करते हुए:

दिनांक 22 मई, 2023 को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि महादेवा इको पर्यटन स्थल (भगहर झील) मे अशोक के पौधे रोपित करते हुए

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर दिनांक 22 मई, 2023 को

''अनुबन्ध से क्रियान्वयन तकः जैव विविधता पुनर्वास व पुनर्स्थापना एवं मिशन लाईफ'

(From Agreement to Action: Build Back Biodiversity and Mission LIFE)

विषयवस्तु पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा महादेवा इको पर्यटन स्थल, (भगहर झील), बाराबंकी में आयोजित कार्यक्रम की झलकियॉ

निमंत्रण पत्र

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस
22 मई, 2023
राष्ट्रीय संगोष्ठी
22 MAY
INTERNATIONAL DAY FOR BIODIVERSITY
From Agreement to Action:
Build Back Biodiversity
LiFE
Lifestyle for Environment
:- आयोजक :-
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
कार्यक्रम 22 मई, 2023 सोमवार

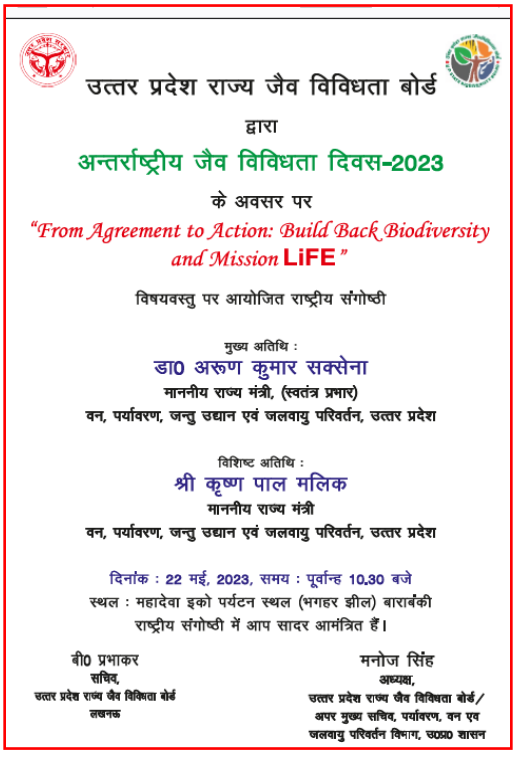
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
द्वारा
अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस-2023
के अवसर पर
"From Agreement to Action: Build Back Biodiversity and Mission LiFE"
विषयवस्तु पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी
मुख्य अतिथि :
डा0 अरूण कुमार सक्सेना
माननीय राज्य मंत्री, (स्वतंत्र प्रभार)
वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट अतिथि :
श्री कृष्ण पाल मलिक
माननीय राज्य मंत्री
वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश
दिनांक : 22 मई, 2023, समय : पूर्वान्ह 10.30 बजे
स्थल : महादेवा इको पर्यटन स्थल (भगहर झील) बाराबंकी
राष्ट्रीय संगोष्ठी में आप सादर आमंत्रित हैं।
बी0 प्रभाकर
सचिव,
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
लखनऊ
मनोज सिंह
अध्यक्ष,
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड/
अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एव
जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन

समाचार पत्रों से

आश्वासन | दुनिया पर इंसानों ही नहीं, जीव-जंतु व पेड़ों का भी अधिकार : वनमंत्री, जैव विविधता दिवस के मौके पर भगहर झील के किनारे कार्यक्रम

अमर उजाला

ईको पर्यटन के रूप में विकसित होगी भगहर झील

संवाद न्यूज एजेंसी

रामनगर (बाराबंकी)। प्रदेश के वन-पर्यावरण, जंतु, उद्यान मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि यह दुनिया केवल इंसानों के लिए नहीं है बल्कि जीव-जंतु और पेड़-पौधों के लिए भी है। पेड़ों के बिना ऑक्सीजन नहीं मिल सकती और पेड़ रहेंगे तो जंगल रहेगा।

जैव विविधता दिवस के मौके पर रामनगर क्षेत्र की भगहर झील के किनारे आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथिके रुप में पहुंचे मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने भगहर झील को ईको पर्यटन के रूप में विकसित करने का संदेश दिया। मंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि आप बताइए हम सरकार की ओर से यहां क्या करा सकते हैं। कहा कि सरकारी लोग यहां दो-चार दिन ही रहेंगे लेकिन जिम्मेदारी यहां के स्थानीय लोगों की है। भगहर झील में कूड़ा व प्लास्टिक न डाले।

झील लखनऊ से ज्यादा दूर नहीं है। डेढ़ घंटे में यहां पहुंचा जा सकता है। झील में

बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र स्थित भगहर झील पर महादेवा ईको पर्यटन स्थल का फीता काटकर शुभारंभ करते वन राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना। संवाद

नाव चलाने वाले को काम मिलेगा। लोगों के खानपान के लिए रेस्टोरेंट व दुकानें खुलेंगी। यहां टूरिस्ट आएं, पौधों के नीचे ठंडक में बैठें, यहां के लोगों से मिले व महादेवा के प्राचीन मंदिर का दर्शन करें। मंत्री ने कहा कि पेड़ों को लगाने से ज्यादा बचाना जरुरी है। इस साल प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

इस मौके पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष ममता संजीव दुबे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय कुमार श्रीवास्तव, वन संरक्षक अयोध्या डॉ. अनिरुद्ध पांडेय, विधायक सांकेद्र वर्मा, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, डीएफओ रुस्तम परवेज, अवधेश श्रीवास्तव, रेंजर सुबोध शुक्ला सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

पुस्तक एग्रीमेंट टू एक्शन का विमोचन

भगहर झील के किनारे हुए इस आयोजन को राष्ट्रीय संगोष्ठी का दर्जा दिया गया। इस मौके पर मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा तैयार की गई पुस्तक एग्रीमेंट टू एक्शन का विमोचन व बोर्ड द्वारा वित्त पोषित पांच सोलर लाइट का लोकार्पण किया। इस मौके पर बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिंह ने बताया कि धरती के चार करोड़ वर्षों के विकास क्रम में वैज्ञानिकों ने अब तक लगभग 16 लाख प्रजातियों की पहचान की है। इस मौके पर बोर्ड के सचिव बी. प्रभाकर, इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स, लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष मुकेश सिंह मौजूद रहे।

बनेगा महादेवा ईको टूरिज्म, साफ होगी जलकुंभी

महादेवा (बाराबंकी)। वनमंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने भगहर झील के तट पर स्थित महादेवा ईको टूरिज्म के शिलापट्ट का लोकार्पण किया। इस स्थान को वन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशन के तहत विकसित किया गया है। मंत्री ने कहा कि झील में उग रही जलकुंभी को मनरेगा से साफ किया जाएगा। कार्यक्रम में ओडीओपी के तहत लगे स्टालों का निरीक्षण भी किया जिसमे मोटा अनाज, पशु पालन, और वन विभाग के स्टाल लगे थे। मंत्री के सामने ही जलकुंभी को निकालने के अभियान की शुरूआत हुई। मंत्री ने झील के किनारे अशोक के पौधे लगाए। (संवाद)

महादेवा ईको पर्यटक स्थल से वन्य संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा : अरुण

सूरतगंज-बाराबंकी(एसएनबी)। रामनगर-सूरतगंज मार्ग पर स्थित भगहर झील के तट पर स्थित महादेवा ईको पर्यटन का भी अब पर्यटक आनंद ले सकेंगे। इस स्थान को वन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशन के तहत डिवेलप किया गया है। यह पर्यटन स्थल घूमने के लिए पर्यटकों को खासतौर पर पसंद आएगा। सोमवार को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना ने महादेवा ईको पर्यटन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा ऐसे स्थलों को विकसित कर ईको पर्यटन के साथ ही वन्य जीव संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री ने किया महादेवा ईको पर्टटन का उद्घाटन

सूरतगंज ब्लाक में स्थित महादेवा ईको पर्यटन के उद्घाटन के बाद पर्यावरण वन मंत्री ने जैव विविधता दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा हम सभी मिल कर कार्य करें तो जैव विविधता और वन्य जीवों संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान हो

महादेवा ईको पर्यटन के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते मंत्री डा.अरुण कुमार सक्सेना।

सकता है। दुनिया सिर्फ मनुष्यों के रहने की जगह नहीं है। सभी जीव जंतुओं के भी रहने की जगह है। उन्होंने पर्यावरण के साथ-साथ पशु-पक्षियों के संरक्षण पर जोर दिया। इसके अलावा भगहर झील में फैली जलकुंभी देख चिंता जाहिर की। उन्होंने ब्लाक प्रमुख लकी सिंह को मनरेगा योजना के तहत झील की सफाई कराने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता संजीव दूबे, वन संरक्षक क्षेत्रीय निदेशक डा.अनुरुद्ध पाण्डेय, मुख्य वन संरक्षक रेणु सिंह, डीएफओ रुस्तम परवेज, वन रेंजर्स पीके सिंह, सुबोध शुक्ला, एसडीएम तान्या सिंह, सीओ जटा शंकर मिश्रा, एसएचओ एसएन सिंह मौजूद रहे।

35 करोड़ पौधे होंगे रोपित :

पार्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने भगहर झील की नर्सरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नर्सरी प्रभारी मोहित श्रीवास्तव से पौधों की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि पौधों को लगाने के बाद उनका संरक्षण भी जरूरी है। मंत्री ने बताया कि इस साल पूरे प्रदेश में वन विभाग ने 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री ने वन विभाग के अफसरों के साथ पौधारोपण भी किया।

ओडीओपी के स्टालों का किया निरीक्षण

कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री ने ओडीओपी के तहत लगे स्टालों का निरीक्षण किया। इसके बाद भगहर झील की सेहत के लिए खतरा बन चुकी जलकुंभी को निकालने की शुरूआत की। साथ ही जलीय संतुलन बनाए रखने के लिए झील में नई प्रजातियों की मछलियों को भी छोड़ा गया। मंत्री ने कहा कि झील की साफ-सफाई के लिए के चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
सच ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार

पर्यावरण के लिये जीव जन्तु अभिन्न अंग-सक्सेना

रामनगर/बाराबंकी, 22 मई (तरुणमित्र)। रामनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत रानीगंज के निकट स्थित पर्यटक स्थल अजहर में आयोजित जैव विविधता कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने हिस्सा लिया इस अवसर पर वन मंत्री ने कहा कि पर्यावरण में जीव जंतुओं का भी रहना नितांत आवश्यक है पर्यावरण के जीव जंतु अभिन्न अंग है उन्होंने सागर झील को पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कहा कि यह स्थल पर्यटकों के लिए अच्छा रहेगा प्रोग्राम बगहा धीर में वन मंत्री ने मछलियों के बच्चे भी छोड़े तथा भगा की जलकुंभी की साफ सफाई करने के निर्देश संबंधित

अधिकारियों को दिए। इस कार्यक्रम मे ग्राम पंचायत लोधौरा के महादेवा निवासी समाजसेवी मोनू भास्कर को पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तर प्रदेश के वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना द्वारा सम्मानित किया गया। वन मंत्री ने कहा पर्यावरण को बचाने के लिए हम सभी को आगे आना होगा यदि पर्यावरण शुद्ध होगा तभी लोगों का जीवन संभव है । मोनू भास्कर ने कहा कि यदि हर एक व्यक्ति प्रतिवर्ष एक एक पेड़ लगाकर उसकी परवरिश करे तो निश्चय ही पर्यावरण शुद्ध होगा।

वन मंत्री ने जैतपुर में पर्यावरण वानिकी का किया अवलोकन, मनोज शुक्ला की जमकर की सराहना

रामनगर तहसील के अंतर्गत जैतपुर /बनकी में मनोज शुक्ला द्वारा पर्यावरण वानिकी के क्षेत्र में किए गए पौधरोपण का अवलोकन उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण जंतु उद्यान जलवायु परिवर्तन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना , प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता संजीव दुबे ने किया। मनोज शुक्ला ने आए हुए आगंतुकों को बुके देकर स्वागत किया । वन मंत्री ने मनोज शुक्ला को वानिकी के क्षेत्र में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए पुरस्कार को लेकर बधाई दी । लगभग एक घंटे पूरे वानिकी क्षेत्र का वृहद अवलोकन कर श्री शुक्ला की प्रशंसा की। वन मंत्री ने मनोज शुक्ला से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय कुमार श्रीवास्तव, वन संरक्षक अयोध्या मंडल अनिरुद्ध पांडे, डीएफओ बाराबंकी रुस्तम परवेज, डीएफओ अयोध्या सितांशु पांडे क्षेत्रीय वन अधिकारी रामनगर सुबोध शुक्ला उप क्षेत्रीय अधिकारी , अवनीश दुबे, गुल्ले यादव भाजपा नेता अमित सिंह,अशोक शुक्ला, सहित जनपद के अधिकांश वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

Lucknow Edition
May 23, 2023 Page No. 2
epaper.enavabharat.com

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

टूरिस्ट रिजार्ट के रूप में विकसित होगी भगहर झील :राज्यमंत्री

सूरतगंज। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, वन पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन डॉ. अरूण कुमार सक्सेना ने कहा कि भगहर झील को टूरिस्ट रिजार्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। लखनऊ के लोग भगहर का आनंद लेने आएंगे। यहां के पेड़ों की ठण्डी हवा उन्हें बार बार यहां आने के लिए रिझाएगी। भगहर झील से पर्यटन और रोजगार के अवसर लोगों को प्राप्त होंगे।

यह बात मंत्री डा. सक्सेना सोमवार को उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधिता बोर्ड द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के मौके पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। वन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित होगा : डा. सक्सेना ने कहा कि इस स्थान का ह्यवन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशनह्ल के तहत विकास किया गया है। यह पर्यटन स्थल घुमक्ड़ी के लिए पर्यटकों को खासतौर पर पसंद आएगा।

संगोष्ठी को संबोधित करते राज्यमंत्री

इसके पूर्व डॉ. अरूण कुमार सक्सेना ने महादेवा ईको टूरिज्म का उद्घाटन किया। उन्होंने ब्लाक प्रमुख लकी सिंह को मनरेगा योजना के तहत झील के सफाई कराने के निर्देश दिए।

दैनिक जागरण

अब भगहर झील की सैर कर सकेंगे पर्यटक

राज्यमंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना ने किया महादेवा ईको पर्यटन स्थल का उद्घाटन

महादेवा ईको पर्यटन स्थल (भगहर झील) का उद्घाटन करते राज्यमंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना और राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित लोग • जागरण

संवादसूत्र, सूरतगंज (बाराबंकी) : भगहर झील को महादेवा ईको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। सोमवार को उद्यान और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार सक्सेना ने इसका उद्घाटन किया। अब इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। अभी प्रवेश निशुल्क रहेगा। मंत्री ने इसके बाद जैव विविधता दिवस के तहत आयोजित एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

राज्यमंत्री ने कहा कि 35 लाख रुपये से भगहर झील का विकास कराया गया है। आगे और भी विकास कार्य होंगे, जिससे अधिक से अधिक संख्या में पर्यटक पहुंचें। उन्होंने नर्सरी के साथ झील के छोर पर तैयार पार्क का भ्रमण किया। बाढ़ खंड के भवन में तैयार इंटरप्रिटेशन सेंटर पर रखे जीव-जंतु और पक्षियों की प्रदर्शनी देखी। दूसरे हाल में ग्रीन गोल्ड ईको स्टोर में रखी बांस की बनी सामग्री को देखने के बाद पशुपालन, कृषि बीज एवं उद्यान विभाग की योजना की विस्तृत जानकारी हासिल की। मत्स्य विभाग की ओर से लगे स्टाल का जायजा लेकर झील में मछलियां भी डालीं। अंत में उन्होंने बांस से तैयार गजेबो व गोलहाट, वाच टावर, हरियाली व मनोरंजन झूले को देखा। इस मौके पर विधायक सार्केंद्र प्रताप वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव, विनीत जायसवाल, महेंद्र वर्मा, महेश, अशोक शुक्ला आदि लोगों उपस्थिति रहे।

मनरेगा से साफ कराएं जलकुंभी : उन्होंने मंच पर मौजूद ब्लाक प्रमुख लकी सिंह से कहा कि प्रमुखजी जलकुंभी को मनरेगा से समाप्त करने की योजनाएं तैयार करें। ताकि इसको और भी मनोरम बनाया जा सके। मंत्री ने स्वयं जलकुंभी साफ की, जिसे कंपोज खाद के लिए डाल दिया गया है। पौधारोपण भी किया। राज्यमंत्री ने हाल ही में नमामि गंगे योजना के तहत पुरस्कृत मनोज शुक्ला के जैदपुर स्थित फार्म हाउस पहुंचकर जायजा लिया। जहां उनकी निजी भूमि पर विभाग के अनुदान पर लगाए गए पौधों को देखा।

सिर्फ मनुष्यों के रहने की जगह नहीं : जैव विविधता दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर कार्य करें तो जैव विविधता और वन्य जीव संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। दुनिया सिर्फ मनुष्यों के रहने के ही नहीं, बल्कि सभी जीव-जंतुओं के भी रहने की जगह है। उन्होंने पर्यावरण के साथ-साथ पशु-पक्षियों के संरक्षण पर जोर दिया। इस दौरान अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता संजीव दूबे, वन संरक्षक क्षेत्रीय निदेशक डा. अनुरुद्ध पांडेय, मुख्य वन संरक्षक रेणु सिंह, डीएफओ रुस्तम परवेज, एसडीओ डा. एनके सिंह, वन रेंजर्स पोके सिंह, सुबोध शुक्ला मौजूद रहे।

एक नजर में भगहर झील	
औसत लंबाई	3.5 किलोमीटर
चौड़ाई	250 मीटर
झील का कुल क्षेत्रफल	7.384 हेक्टेयर
झील के किनारे गांवों की संख्या	पांच
झील में वर्तमान समय में पानी आता है	जरखा ड्रेन से
वर्षा के समय	सुमली नदी का पानी झील से होकर घाघरा नदी में जाता है।
प्रोजेक्ट	36 लाख
मिला बजट	35 लाख

धरती पर सभी जीवों का अधिकार : अरुण सक्सेना

लखनऊ (एसएनबी)। अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा महादेवा इको पर्यटन स्थल (मगहर झील) बाराबंकी में 'अनुबन्ध से किसान्वयन तक : जैव विविधता पुनर्वास व पुनर्स्थापना एवं मिशन लाइफ' पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान अरुण कुमार सक्सेना रहे। उन्होंने कहा कि यह धरती केवल मनुष्यों के रहने के लिए ही नहीं अपितु समस्त जीव जन्तुओं के रहने के लिए भी बनी है। उन्होंने कहा कि बाघों का अस्तित्व न रहने पर मनुष्य व अन्य जीव जन्तुओं का जीवित रहना भी सम्भव नहीं है। इसी प्रकार वृक्षों से प्राप्त प्राणदायिनी ऑक्सीजन हमारे जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि परागकण के लिए भौंरों व तितलियों जैसे कीटों का बने रहना आवश्यक है क्योंकि परागकण के अभाव में अन्न व फलों का उत्पादन सम्भव नहीं है। मनुष्य को अपनी गतिविधियों पर नियन्त्रण रखना आवश्यक है तथा प्रकृति का जितना दोहन करें उतनी ही संख्या में पौधरोपण आदि गतिविधियों के माध्यम से पृथ्वी को वापस करने की जीवनशैली का अंग बनाए।

■ जैव विविधता बोर्ड ने आयोजित किया सेमिनार

इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आई यूसीएन) की पादप एवं जन्तु प्रजातियों की लाल सूची (रेड डाटा बुक) के अनुसार कम से कम 97 स्तनधारी (नमल्स), 94 पक्षी एवं 482 पादप प्रजातियों पर विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन मात्र सरकारी प्रयासों से ही सम्भव नहीं है अपितु यह प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। बोर्ड के सचिव वी प्रभाकरन ने कहा कि जैव विविधता क्षरण के तीन प्रत्यक्ष प्राथमिक कारण भू उपयोग परिवर्तन (30 प्रतिशत), अति दोहन (20 प्रतिशत), एवं जलवायु परिवर्तन व प्रदूषण (14 प्रतिशत) है। मिशन लाईफ के अन्तर्गत चिह्नित गतिविधियों सतत खाद्य प्रणाली को अपनाना, अपशिष्ट में कमी, स्वस्थ जीवनशैली अंगीकृत करना एवं ई अपशिष्ट की मात्रा कम कर प्रत्येक व्यक्ति जैव विविधता संरक्षण में योगदान दे सकता है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी ने कहा कि हम सब जैव विविधता का अंग है तथा हमारे छोटे छोटे प्रयासों यथा तितली, मधुमक्खियों को सुरक्षा व अनुकूल परिस्थितियां सृजित कर एवं झील सफाई, हरियाली की रक्षा व खेत में पौध रोपित कर जैव विविधता संरक्षित करने में योगदान देने के साथ ही आय व आजीविका के संसाधन सृजित कर आर्थिक स्थिति उन्नत कर सकते है। आयोजन स्थल नदी, खेत, पेड़ पौधे व जैव विविधता की दृष्टि से समृद्ध होने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित करने को चयनित किया गया। पीसीसीएफ ममता दुबे ने कहा कि धरती पर सिर्फ हमारा ही अधिकार नहीं है अपितु इसके विभिन्न भागों में विद्यमान करोड़ों प्रजातियों का भी इस पर उतना ही अधिकार है।

नव भारत टाइम्स

महादेवा में शुरू हो गया इको टूरिज्म

■ **एनबीटी, रामनगरः** महाभारतकालीन महादेवा के दर्शन के लिए बारावंकी आने वाले श्रद्धालु अब भगहर झील के तट पर इको टूरिज्म का भी आनंद ले सकेंगे। इस स्थान को वन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशन के तहत विकसित किया गया है। पर्यटकों को यह ईको टूरिज्म खासतौर पर पसंद आएगा।

सोमवार को पर्यावरण,वन व जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ.अरूण कुमार सक्सेना ने महादेवा इको टूरिज्म केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा ऐसे स्थलों को विकसित कर इको टूरिज्म के साथ ही वन्य जीव संरक्षण को भी बढ़ावा दिया जाएगा। यहां पर वन मंत्री ने जैव विविधता दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा पर्यावरण के साथ-साथ पशु-पक्षियों के संरक्षण की जरूरत है। इसके अलावा

वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने इको टूरिज्म केंद्र का उद्घाटन किया।

भगहर झील में फैली जलकुंभी देख चिंता जाहिर की। उन्होंने ब्लॉक प्रमुख लकी सिंह को मनरेगा योजना के तहत झील की सफाई कराने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता संजीव दूबे, वन संरक्षक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिरुद्ध पाण्डेय, मुख्य वन संरक्षक रेणु सिंह, डीएफओ रुस्तम परवेज,एसडीएम तान्या सिंह, वन रेंजर्स पीके सिंह, सुबोध शुक्ला मौजूद रहे।

इस बार लगेंगे 35 करोड़ पौधेः मंत्री ने भगहर झील की नर्सरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नर्सरी प्रभारी मोहित श्रीवास्तव से पौधों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पौधों को लगाने के बाद उनका संरक्षण भी जरूरी है। इस लिए सुरक्षित स्थान पर ही पौधारोपण किया जाए। इस बार प्रदेश में वन विभाग ने 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने वन विभाग के अफसरों के साथ पौधारोपण भी किया। उन्होंने ओडीओपी के तहत लगे स्टालों का निरीक्षण किया।

'पूर्व विधायक ने करवा दिया जमीन पर कब्जा'

मंत्री ने जैतपुर के प्रगतिशील किसान मनोज शुक्ला के खेत पर तैयार किए जा रहे सागौन, मिलिया डुबिया, महोगनी आदि पौधों की बागवानी व व्यवसायिक खेती का जायजा भी लिया। मंत्री उस समय असहज हुए नहीं रह सके जब किसान ने कहा कि एक पूर्व विधायक ने उनकी जमीन पर दबंगों का कब्जा करा दिया है। कई बार अफसरों से शिकायत की तो अफसरों ने हाथ खड़े कर लिए। सीएम एक कार्यक्रम में इस किसान को अवॉर्ड दे चुके हैं।

पर्यटक स्थल भगहर पर जैव विविधता कार्यक्रम में वन मंत्री ने लिया हिस्सा

(ज्ञानेन्द्र वर्मा / सहारा टाइम्स संवाददाता)

रामनगर / बाराबंकी। रामनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत रानीगंज के निकट स्थित पर्यटक स्थल अजहर में आयोजित जैव विविधता कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने हिस्सा लिया इस अवसर पर वन मंत्री ने कहा कि पर्यावरण में जीव जंतुओं का भी रहना नितांत आवश्यक है पर्यावरण के जीव जंतु अभिन्न अंग है उन्होंने सागर झील को पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कहा कि यह स्थल पर्यटकों के लिए अच्छा रहेगा प्रोग्राम बगहा धीर में वन मंत्री ने मछलियों के बच्चे भी छोड़े तथा भगा की जलकुंभी की साफ सफाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस कार्यक्रम मे ग्राम पंचायत लोधौरा के महादेवा निवासी समाजसेवी मोनू भास्कर को पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तर प्रदेश के वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना द्वारा सम्मानित किया गया। वन मंत्री ने कहा पर्यावरण को बचाना के लिए हम सभी को आगे आना होगा यदि पर्यावरण शुद्ध होगा तभी लोगों का जीवन संभव है । मोनू भास्कर ने कहा कि यदि हर एक व्यक्ति प्रतिवर्ष एक एक पेड़ लगाकर उसकी परवरिश करे तो निश्चय ही पर्यावरण शुद्ध होगा।

वन मंत्री ने जैतपुर में पर्यावरण वानिकी का किया अवलोकनए मनोज शुक्ला की जमकर की सराहना

रामनगर तहसील के अंतर्गत जैतपुर ध्वनकीं में मनोज शुक्ला द्वारा पर्यावरण वानिकी के क्षेत्र में किए गए पौधरोपण का अवलोकन उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण जंतु उद्यान जलवायु परिवर्तन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना, प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता संजीव दुबे ने किया। मनोज शुक्ला ने आए हुए आगंतुकों को बुके देकर स्वागत किया । वन मंत्री ने मनोज शुक्ला को वानिकी के क्षेत्र में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए पुरस्कार को लेकर बधाई दी । लगभग एक घंटे पूरे वानिकी क्षेत्र का वृहद अवलोकन कर श्री शुक्ला की प्रशंसा की। वन मंत्री ने मनोज शुक्ला से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय कुमार श्रीवास्तव, वन संरक्षक अयोध्या मंडल अनिरुद्ध पांडे,डीएफओ बाराबंकी रुस्तम परवेज, डीएफओ अयोध्या सितांशु पांडे क्षेत्रीय वन अधिकारी रामनगर सुबोध शुक्ला उप क्षेत्रीय अधिकारी ,अवनीश दुबे,गुल्ले यादव भाजपा नेता अमित सिंह,अशोक शुक्ला,सहित जनपद के अधिकांश वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

27.0° न्यूनतम | सूर्य अस्त (आज) 06:34 उदय (कल) 05:14 | आर्द्रता 69% 60% अधिकतम न्यूनतम

बाराबंकी

दैनिक जागरण

चलेंगी मोटर बोट, सुनाई देगा पक्षियों का कलरव

राघवेन्द्र मिश्रा • सूरतगंज (बाराबंकी)

लंबे समय से बदहाली का शिकार भगहर झील की तस्वीर अंततः बदलने लगी है। नौकायन के लिए जानी जाने वाली भगहर झील में कुछ दिन बाद मोटर बोट दिखाई देंगी। प्रवासी पक्षियों के कलरव गूंजेगा तो उनकी अठखेलियां भी देखने को मिलेंगी। सात साल पहले वन विभाग ने भगहर झील के सुधार के क्रम में एक नर्सरी तैयार की थी। झील के सुंदरीकरण के लिए वन विभाग ने 36 लाख रुपये का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। पहली किस्त में 10 लाख तो दूसरी बार में 25 लाख रुपये का बजट पर्यटन विभाग ने दिया। इससे झील

सूरतगंज के भगहर झील के करीब बना वाच टावर • जागरण

को संवारते हुए चिल्ड्रेन पार्क तैयार किया गया। वहीं, बाढ़ खंड के जर्जर भवन में इंटरप्रिटेशन रूम में प्रदर्शनी हाल बनाया गया है। दूसरे कक्ष में प्रोजेक्टर लगाया गया है। सोमवार को बच्चों ने जीव-जंतु की फिल्में भी देखीं।

कराए गए कार्य : विकास कार्य में बच्चों का विशेष ध्यान रख गया है। पार्क में झूले, बेंच, गोल झोपड़ी और पैदल पथ तैयार किया गया है। पर्यटकों के लिए कैंटीन भी मौजूद है, जहां व्यंजन का मजा उठाया जा सकता है। यहां आकर्षक नर्सरी तैयार की गई। कुछ दूर पर बने वाच टावर से पर्यटक झील में विदेशी पक्षी की अठखेलियों का आनंद उठा सकेंगे।